



शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज की महाप्रबंधक तथा कार्यक्रम निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी के 70वें जन्म दिवस व आध्यात्मिक सेवा में समर्पण के 50 वर्ष पूर्ण होने पर शांतिवन के विशाल डायमण्ड हॉल में आयोजित भव्य समारोह के दौरान सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, राजयोगिनी दादी ईशू, महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर, कार्यकारी सचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय, ज्ञानसरोवर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. निर्मला, अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन, दिल्ली, राजयोगिनी ब्र.कु. हंसा, यूरोप सेवाकेन्द्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती, लंडन, अमेरिका सेवाकेन्द्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी, न्यूयॉर्क, मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. करुणा, राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. सविता तथा राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष बहन। इस अवसर पर देश-विदेश से आये हजारों भाई बहनों ने मुन्नी दीदी के दीर्घायु होने की कामना की। समारोह में देश के कई स्थानों से आये कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से समा बांधा।



शिमला-हि.प्र.। नवनियुक्त राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को गुलदस्ता भेंट कर बधाई देने के पश्चात् सेवाकेन्द्र के द्वितीय वार्षिक उत्सव में आने का निमंत्रण देते हुए ब्र.कु. प्रकाश, मा.आबू, ब्र.कु. रेवादास तथा ब्र.कु. धर्मपाल।



कुरीनगर-उ.प्र.। आध्यात्मिक कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी डॉ. अनिल कुमार सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मीरा।



बीकानेर-राज.। 'महारो राजस्थान समृद्ध राजस्थान' अभियान के अंतर्गत शोभा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए ऊर्जा एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला। साथ हैं ब्र.कु. कमल बहन तथा अभियान यात्री। कार्यक्रम में उपस्थित रहे पूर्व पार्षद अरविंद मिश्रा, बीकानेर व्यापार मंडल के द्वारका प्रसाद पच्चीसिया, सेवानिवृत्त शिक्षा विभाग की अधिकारी सुमन सिंह।



दिल्ली-लॉरेन्स रोड। ब्रह्माकुमारीज मेडिकल विंग द्वारा आर्मी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेस में 'होलिस्टिक वेल बीइंग ए वें ऑफ लाइफ' अभियान का शुभारम्भ करते हुए डॉ. रविन्द्र चौधरी, डीन., एसीएमएस., कर्नल एस.के. गुलाटी, प्रोफेसर एंड एचओडी, डिपार्टमेंट ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनिक, डॉ. शर्मिला दुदान, प्रोफेसर, पैथोलॉजी, एसीएमएस, ब्र.कु. डॉ. रीना तोमर, एसोसिएट प्रोफेसर, पैथोलॉजी, ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी, ब्र.कु. आशा दीदी, डॉ. मोहित गुप्ता, ब्र.कु. गीता दीदी तथा अन्य।



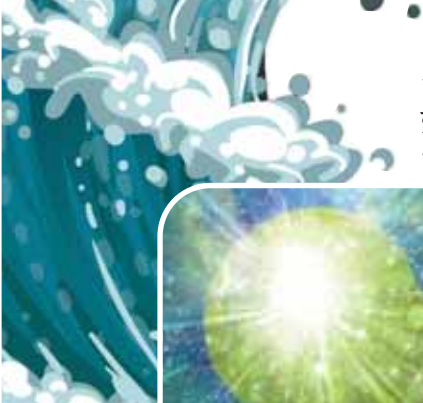
जौड़-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज द्वारा हिन्दु कन्या महाविद्यालय, जौड़ में आयोजित 'कृषि सम्मेलन' का शुभारम्भ करते हुए ब्र.कु. सरला, ब्र.कु. भोला, ब्र.कु. बाला शाह, विधायक डॉ. कृष्ण मिश्रा, एडीए डॉ. सुभाष, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विजय बहन तथा अन्य।



दिल्ली-जनकपुरी। शिक्षक दिवस के अवसर पर लक्ष्मीबाई ट्रेनिंग इंस्टीट्यूशन, एन.जी.ओ. की ओर से राजयोगिनी ब्र.कु. लक्ष्मी को 'बेस्ट टीचर अवॉर्ड' देकर सम्मानित किया गया।

पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

चलो हम कोसना छोड़ते हैं और योग्य बनते हैं



ये सोच या विचार हमारी पुरानी मान्यताएं हैं। हो सकता है कि आपका परिवार ऐसा ही सोचता रहा हो, हो सकता है आपकी पारिवारिक समस्याएं ऐसी रही हों, लेकिन वो तो आपने कभी देखा कहाँ है! जब आप बड़े हुए तब आपको किसी ने बताया कि हम गरीब रहे हैं, वो आपके अंतरमन में चला गया है। ये एक ऐसी मानसिक अवस्था हो जाती है जो हमारे अंदर के भावों को कुरेदती रहती है। अब योग्य कैसे बनें इसके लिए कुछ बातों पर हम विचार करते हैं। अगर लोगों की तरह आपको भी हम ये सिखाना शुरू कर दें कि आप

ज़्यादातर सभी के कथन होते हैं कि अमीर लोग झूठे होते हैं, मैं गरीब हूँ लेकिन बहुत स्वच्छ और साफ हूँ। ऐसे नहीं होता, पैसा इतनी आसानी से नहीं कमाया जा सकता। मेरे माता-पिता गरीब थे, इसलिए मुझे भी इससे उबरने में टाइम लगेगा। मैं इस योग्य नहीं हूँ, मैं बहुत ज़्यादा पैसा नहीं कमा पाऊंगा आदि आदि। ऐसे-ऐसे विचार हमारे अंदर अक्सर आते रहते हैं।

बार-बार ये कहो कि मैं योग्य हूँ, मैं कर सकता हूँ, तो आपके पास कुछ आयेगा ना तो आप इंकार कर देंगे, आप अपनायेगे नहीं, कारण, क्योंकि आपने अपने ऊपर काम नहीं किया, सिर्फ बोला। आप कभी भी अपनी अयोग्यता और अपनी उन बातों पर, जो हुई हैं, उसके बारे में सोचते हैं तो उसे आप बढ़ावा देने लग जाते

जीवन को संवारने की कोशिश करें। आपके पास जो भी टैलेंट है, जो भी विशेषता है, उस विशेषता का बढ़ाने का आधार है बार-बार तारीफ करना। बार बार ये कहना कि परमात्मा ने मुझे इतनी अच्छी विशेषता दी है जिसके आधार से मैं अभी तक का जीवन जी पा रहा था। तो आगे भी तो ये जीवन वैसा ही चलेगा ना क्योंकि हमने अब इसपर ध्यान देना शुरू कर दिया तो और अच्छा हो जायेगा।

इसे बार-बार अपने आपको स्वीकार कराना, माना अपनी बातों, विशेषताओं, गुणों को याद दिलाकर उसे शक्तिशाली बनाना। आपके घर में जितनी भी चीजें रखी हुई हैं वो आपके गुणों और विशेषताओं के आधार से ही आपको मिली हैं। जितनी बार आप इसको स्वीकार करते जायेंगे, वो चीजें आपके पास बढ़ती जायेंगी। बार-बार अपने आपको योग्य बनाने के लिए अच्छे अच्छे विचार देते जायें और शक्तिशाली बनते जायें। साथ ही साथ रात को बैठकर उन बातों को लिखें जो आपको चाहिये और आपके आसपास की चीजें जो रखी हुई हैं उसे व्यवस्थित कर उसके लिए रास्ता बनाइये। कहा जाता है कि जब चीजें व्यवस्थित होती हैं तो मन भी व्यवस्थित चलता है। व्यवस्थित मन से ही हम दुनिया को जीत सकते हैं। तो योग्य बनिये, खुश रहिये।

इसलिए डिमांड और सप्लाई का नियम है। जिस चीज की जितनी डिमांड होती है, उतनी ही उसकी सप्लाई बढ़ जाती है। आप जितनी बार पुरानी आदतों का रोना रोयेंगे, उतनी ही वो आदतें बार-बार मल्टीप्लाई होकर आपको दुःखी कर देंगी। अब अगर आपने थोड़ा सा इस बात पर सोचना शुरू किया... जैसे किसी पेड़ की पत्तियां, उस पेड़ के बीज को आप बड़े ध्यान से देखेंगे तो आप पायेंगे कि उस बीज में पूरा पेड़ पैदा करने की ताकत है। जिसपर अनगिनत फल लग सकते हैं। इसीलिए जो आपके पास है उसी के आधार से अपने

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहली-01(2019-2020)

1				2	3				4
				5					
6	7			8					9
				10					11
12						13	14		
15				16					17
		18	19						20
		21				22	23		
		24				25			26
27				28					

ऊपर से नीचे

- माया तुम्हारी सबसे बड़ी है, शत्रु (3)
- नांव, डेगो (2)
- के पहले स्वयं को सम्पन्न बनाना है, विनाश (4)
- यह शरीर.... है आत्मा रथी है (2)
- बलशाली, ताकतवर,बनो मजबूर नहीं (4)
- बहुत जल्दी बाबा को.... जाने वाली है (3)
- शिक्षा, समझानो (4)
- निर्बल, असमर्थ (4)
- श्रीकृष्ण की भक्ति के लिए प्रसिद्ध कवि (4)
- मगन, लीन, खोया (2)
- नग्न, निर्वस्त्र (3)
- कीमत, मूल्य (3)
- गीता, आर्द्र (2)
- युक्ति, तरकीब, तरीका (3)
- ड्रामा, में सबका पार्ट फिक्स है (3)
- ईश्वर अपने.... है तो डरने की क्या बात है (2)
- तरकीब, चाल (2)

बाएं से दाएं

-ब्र.कु. रावेश, शान्तिवन

- कठिन, मुश्किल, माया बड़ी.... है (3)
- दास-दासी, कर्मचारी (3-3)
- तन, शरीर, देह (2)
- नमन करना, आदर सूचक शब्द (4)
- धर्म, ईमान (4)
- झुकना, नम्र (2)
- एक सुरताल वाला समूह नृत्य (2)
- स्वीकार करना, मानना (3)
- शक्ल, व सीरत से बाप को प्रत्यक्ष करना (3)
- विचार, सहमति, राय (2)
- तमना, चाहना, इच्छा (4)
- अवहेलना, तिरस्कार (3)
- संसार, विश्व, जगत (2)
- दुःख, कष्ट, तकलीफ (2)
- आदि.... देवी देवता धर्म (4)
- संसार में अद्भुत चीजों की संख्या (2)
- घण्टा बजने से उत्पन्न होने वाली अवाज (2)
- कर, हस्त (2)
- कहना न मानना, मना करने पर भी करना (3)